The Staff, Principal and Management of

DAYANAND MAHILA MAHAVIDYALYA

KURUKSHETRA (HARYANA)

cordially invite you to

NATIONAL WORKSHOP

on

Gender Sensitization For Social Equilibrium

Sponsored by

The Director General Higher Education, Haryana
Panchkula

on

Thursday, 10 March, 2016 at 3:30 p.m.
Venue : Shaheed Shukra Raj Shastri Seminar Hall

Prof. (Dr.) Reicha Tanwar
Director, Women Studies Research Centre, KUK
has graciously consented to chair the Valedictory session

Prof. Sushma Sharma
Dept. of Education, KUK
Former Chairperson, Gender Sensitization Committee
will deliver the Valedictory Address

Suman Rajan (Dr.)
Convener, Women Cell

Vijay Lakshmi Singh (Dr.)
Principal

Date- 10.3.2016

National workshop

S.No	Name	class	Roll No
1	Pooja	M.Com.I	8530
2.	Neelam	"	8524
3.	Preeti	"	8516
4	Gajal	"	8503
5	Rohini	"	8513
6.	Isha	"	8535
7	Aasti	"	8560
8	Sakshi	"	8570
9	Shristi	"	8565
10	Lovely	"	8553
11	Sangeeta	"	8551
12	Ritika	"	8547
13	Neha	"	8540
14	Suman	"	8529
15	Rinku	"	8509
16	Jyoti	"	8569
17	Jinia	"	8538

S.N.	Name	class	Roll No
18	Deepa.	M.Com-I	8539
19	Garima.	"	8502
20	Kritika	"	8504
21	Vimaljeet	"	8543
22	Sonia	"	8542
23	Bhavisha	"	8545
24	Reeha	"	8546
25	Sapana	"	8549
26	Ravinder kaur	"	8550
27	Sarbjeet kaur	"	8552
28	Poonam	"	8556
29	Priya	"	8559
30	Heena	"	8537
31.	Aarshi	"	8521
32	Harjinder	"	8522
33	Tanu bura	M.A-Eng.I	1828
34.	Ruby	"	1802
35	Sabnam	"	1803
36	Jatinder	"	1804.

S.No.	Name	Class	Roll No.
37	Sweety	M.A I (Eng)	1827
38	Neha	"	1805
39	Jaspreet	"	1826
40	Ashu	"	1806
41	Monika	"	1808
42	Pooja	"	1807
43	Bhawana	"	1809
44	Jyoti	"	1810
45	Ramandeep	"	1811
46	Reman	"	1825
47	Rita	"	1812
48	Neha	"	1813
49	Ramanjeet	"	1829
50	Pinky	"	1815
51	Anita	"	1820
52	Parul	"	1817
53.	Anjali	"	1821.

DAYANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA
KURUKSHETRA (HARYANA)

Ph: 01744-290981, Fax: 01744-292361
E-mail: dmmkkr2010@rediffmail.com
Website: dmmkkr.com

Ref. No. DMM/16/164
Date 25.02.2016

Patron
Dr. (Mrs.) Vijay Lakshmi Singh
Principal
01744-290981

Convenor
Dr. (Mrs.) Suman Rajan
(Women Cell)
9416291884

Secretary
Dr. (Mrs.) Naresh Joshi
9996001472

Joint Secretary
Mrs. Sapna Malik
9034073911

Organising Committee
Mrs. Payal Anand Chaudhary
9896022601
Dr. Kamlesh Kaushal
9466096553
Mrs. Anju Chawla
9896740493
Dr. Manjeet Kaur
9992295520
Mrs. Reena Sethi
8607023434
Mrs. Veenu Madan
9996260144
Mrs. Neha
9466836802
Mrs. Aarti Sharma
9416741326

Workshop
10th March, 2016

Inauguration
9:00 A.M.

Concluding Session
3:30 P.M. to 4:30 P.M.

To

_____

_____

_____

Dear Sir/Madam,

It gives us immense pleasure to inform you that **Women Cell** of our College is organizing a **One Day National Workshop** Sponsored by the Director General Higher Education, Haryana, Panchkula on the topic **'Gender Sensitization for Social Equilibrium' on 10th March, 2016.** In 21st century it has become mandatory for all of us to rethink the role of both man & woman in society. The main objective of the workshop is to maintain social equilibrium in society by creating awareness for gender justice.

We solicit your kind favour for sending Women Cell incharge/any other participant interested along with minimum two students with authority letter for participating in the National Workshop.

Sub Themes for Discussion:

1. Gender Roles & its Influence
2. Gender Equality
3. Gender Stereotypes
4. Role of Youth in Bringing Gender Equality
5. Role of Educational Institution in Promoting Gender Equality
6. Role of Family in Creating Social Equilibrium
7. Role of Media in Maintaining Healthy Atmosphere for Gender Equality
8. Role of Society in Creating Positive Attitude

Registration Fee Rs.200/-

No TA/DA will be paid to the Participants

PS: There will be two competitions for students-

1. Symposium
2. On the Spot Slogan Writing

- ❖ Selected students will be allowed to participate in the Symposium
- ❖ For Slogan writing sheets and pens will be provided by the host college.

Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra
01744-290981

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

लिंग– संवेदनशीलता सामाजिक सन्तुलन के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला
10 मार्च 2016

प्रतिभागी का नाम.....आयु.....महिला / पुरुष

क्रमांक	प्रश्न	सहमत	असहमत
1.	आप भी सोचते हैं कि यदि बेटा नहीं हुआ तो वंश कैसे चलेगा?		
2.	कन्यादान करना उचित है क्या?		
3.	आप भी बेटी को पराया–धन मानते हो क्या?		
4.	आप भी मुखाग्नि के लिए बेटे को ही सही उत्तराधिकारी?		
5.	बेटा ही कुलदीपक होता है?		
6.	दोनों का लालन पालन समान रूप से होना चाहिए या नहीं?		
7.	बेटियों को बाहर के काम करने में सक्षम नहीं मानते हो?		
8.	क्या बेटी का सम्पत्ति में कानूनी अधिकार समाज में स्वीकार्य है?		
9.	अपनी बेटी होते हुए भी, भाई के बेटे को सम्पत्ति सौंपना उचित है?		
10.	नारी केवल श्रृंगार और सुन्दरता की संवाहक है?		
11.	स्त्री द्वारा चूड़ियाँ पहनने को आप कमजोरी का प्रतीक समझते हो?		
12.	लज्जा, केवल नारी का ही, गहना है?		
13.	यदि बेटी को दो घरों की इज्जत मानते हो, तो बेटा दो घरों की इज्जत नहीं है?		
14.	घरेलू काम करना (खाना बनाना, कपड़े धोना, घर साफ करना) केवल स्त्रियों की जिम्मेदारी है?		
15.	बच्चों का लालन–पालन करना केवल माँ का ही कर्तव्य है?		
16.	सामाजिक सन्तुलन बनाने के लिए क्या लड़कियों का लड़कों के अनुपात में कम होना, भविष्य के लिए खतरे का संकेत नहीं है?		
17.	महिला को शिक्षित होने से ज्यादा जरुरी शादी है?		
18.	महिला का शादी से पहले पढ़ लिखकर, नौकरी करके पैरों पर खड़ा होना अधिक जरुरी है?		
19.	यदि कोई पुरुष महिला को घरेलू कार्य में सहयोग करता है तो क्या उसे जोरू का गुलाम कहना उचित है?		
20.	'धर्मपत्नी' शब्द पत्नी के लिए उपुयक्त है तो 'धर्मपति' शब्द प्रचलित होना चाहिए ?		
21.	परिवार में योगदान देने के लिए क्या नारी का अर्थोपार्जन करना आवश्यक है?		
22.	क्या नारी का स्वतन्त्र अस्तित्व समाज में स्वीकार्य है?		
23.	महिला ही महिला की दुश्मन है– क्या ये सोच उचित है?		
24.	घरेलू हिंसा अधिनियम से महिलाओं को लाभ मिल रहा है?		
25.	क्या विवाह सम्बन्धी निर्णय लेने में नारी स्वतन्त्र है?		

प्रैस नोट

आज दिनांक 10-3-2016 को दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र में महिला प्रकोष्ठ की ओर से एक दिवसीय 'राष्ट्रीय कार्यशाला' का आयोजन करवाया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा मंत्री श्रीमती गीता भुक्कल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला का मुख्य विषय सामाजिक संतुलन के लिये जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि डॉ. पवन सुधीर ने कहा कि समाज में बहुत सारी समस्याएँ हैं जिन्हें सुलझाना बहुत जरूरी है। समाज में समानता लाने के लिये सभी का जागरूक होना आवश्यक होता है। समाज में संतुलन स्थापित करने के लिये हमें अपनी सोच में परिवर्तन लाना होगा। पूर्व शिक्षा मंत्री श्रीमती गीता भुक्कल ने कहा कि समाज में संतुलन का होना जरूरी है क्योंकि महिलाओं की दशा अब भी दयनीय है। महिलाओं को सशक्त होना होगा व उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा। प्रबंध समिति के प्रधान डॉ. राम प्रकाश जी ने कहा कि स्त्री को कभी छोटा या हीन नहीं समझना चाहिए। समाज में स्त्री या पुरुष को उनकी क्षमताओं के आधार पर देखा जाना चाहिए। डॉ. ज्योत्स्ना ने कहा कि समाज की कमियों या बुराईयों की चर्चा ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से ही संभव है। समाज के असंतुलन के कारणों का पता लगाकर उनका निवारण किया जाना चाहिये, तभी समाज में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। इसके पश्चात 'सामूहिक चर्चा' की गई जिसमें विद्यार्थियों और सभागार में उपस्थित बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। डॉ. सुमन सैनी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। 'सामुहिक चर्चा' के अन्तर्गत सर्वश्रेष्ठ वक्ता अनुभव सिंह, दयाल सिंह कॉलेज करनाल, प्रचार वाक्य लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डिंपल, जनता कॉलेज कौल, दूसरा स्थान संगीता आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल, तीसरा स्थान नैंसी डी.एन. कॉलेज कुरुक्षेत्र ने प्राप्त किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला (10-3-2016)

दैनिक भास्कर - 11/3/2016

समाज में संतुलन का होना जरूरी : भुक्कल

दयानंद महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

दयानंद महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल थी। कार्यशाला का मुख्य विषय सामाजिक संतुलन के लिए लिंग जागरुकता था। विशिष्ट अतिथि डॉ. पवन सुधीर ने कहा कि समाज में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिन्हें सुलझाना बहुत जरूरी है। समाज में समानता लाने के लिए सभी का जागरूक होना जरूरी है। समाज में संतुलन स्थापित करने के लिए हमें अपनी सोच में परिवर्तन लाना होगा। पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल ने कहा कि समाज में संतुलन का होना जरुरी है क्योंकि महिलाओं की दशा अब भी दयनीय है। महिलाओं को

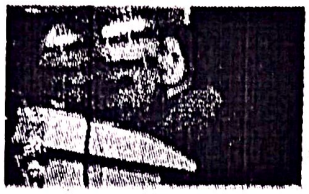

कुरुक्षेत्र | डीएन कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में संबोधित करती पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल।

सशक्त करना होगा, उन्हें अधिकारों के लिए लडऩा होगा। प्रबंधक समिति के प्रधान डॉ. रामप्रकाश ने कहा कि स्त्री को कभी छोटा या हीन नहीं समझना चाहिए। समाज के स्त्री या पुरुष को उनकी क्षमताओं के आधार पर देखा जाना चाहिए। कॉलेज प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

बुराइयों पर कार्यशाला में ही चर्चा संभव : डॉ. ज्योत्सना ने कहा कि समाज की बुराइयों पर कार्यशालाओं के माध्यम से ही चर्चा संभव है। समाज के असंतुलन के कारणों का पता लगाकर उनका निवारण किया जाना चाहिए, तभी समाज में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। इसके बाद सामूहिक चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों और सभागार में उपस्थित बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। डॉ. सुमन सैनी ने भी अपने विचार रखे। सामूहिक चर्चा में सर्वश्रेष्ठ वक्ता अनुभव सिंह दयाल सिंह कॉलेज करनाल, प्रचार वाक्य लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डिंपल जनता कॉलेज कौल, दूसरा स्थान संगीता आरकेएसडी कॉलेज कैथल, तीसरा स्थान नैन्सी डीएन कॉलेज कुरुक्षेत्र को मिला।

आज समाज - 11/3/2016

एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला के दौरान मंचासीन मुख्यातिथि व अन्य। आज समाज

आज समाज नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में महिला प्रकोष्ठ की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आरंभ में महाविद्यालय की प्रबंध समिति के प्रधान डॉ. रामप्रकाश तथा प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह ने मुख्यातिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस कार्यशाला की मुख्यातिथि पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पवन सुधीर, अध्यक्ष एनसीईआरटी दिल्ली उपस्थित रहे। कार्यशाला की संयोजिका डॉ. सुमन राजन ने इस कार्यशाला के विषय तथा उद्देश्य को सभागार के समक्ष प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला का मुख्य विषय सामाजिक संतुलन के लिए लिंग जागरूकता था।

पंजाब केसरी - 11/3/2016

नंद महिला महाविद्यालय में लगाई राष्ट्रीय कार्यशाला

कार्यशाला में उपस्थित गीता भुक्कल, डा. रामप्रकाश व अन्य।

कुरुक्षेत्र, 10 मार्च (का.प्र.): दयानंद महिला महाविद्यालय में महिला कोष्ठ की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के आरम्भ में महाविद्यालय की प्रबंधक समिति के प्रधान ा. रामप्रकाश तथा प्राचार्या डा. विजयलक्ष्मी सिंह ने मुख्यातिथियों का ष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यशाला की मुख्यातिथि पूर्व शिक्षामंत्री ीता भुक्कल, विशिष्ट अतिथि डा. पवन सुधीर, अध्यक्ष एन.सी.ई.आर.टी. दल्ली उपस्थित रहे। संयोजिका डा. सुमन राजन ने कार्यशाला के विषय था उद्देश्य को प्रस्तुत किया। कार्यशाला का मुख्य विषय सामाजिक संतुलन ए लिए लिंग जागरूकता था।